भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3903

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देना

†3903. श्री बैन्नी बेहननः

श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंतः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और राष्ट्रीय उद्यानों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2024-25 में स्वीकृत और प्रचालित पारिस्थितिकी पर्यटन परियोजनाओं की संख्या कितनी है; और

(ग) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है कि पर्यटन में वृद्धि के कारण संरक्षित क्षेत्रों में पर्यावरणीय गिरावट न हो?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): स्थायी पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से स्थायी पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंदीय एजेंसियों की सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

मंत्रालय द्वारा स्थायी पर्यटन हेतु तैयार की गई राष्ट्रीय कार्यनीति में पर्यावरणीय स्थायित्व एक प्रमुख स्तंभ है। कार्यनीति के अनुरूप, देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों को स्थायी पर्यटन कार्य पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया है।

पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया गया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थायित्व, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थायित्व और आर्थिक स्थायित्व सहित स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

******

अनुबंध

श्री बैन्नी बेहनन और श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत द्वारा पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 24.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या **†3903** के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**जारी/ प्राधिकृत* की गई राशि (करोड़ रु. में)**
1.	झारखंड	इको परिपथ 2018-19	इको पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला राष्ट्रीय पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44	28.04
2.	केरल	इको परिपथ 2015-16	पथनमथिट्टा - गवी - वागामोन - तेक्कडी का विकास	64.08	64.08
3.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध-बरगी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	93.59
4.	मिजोरम	इको परिपथ 2016-17	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल - रावपुइचिप - खवफाप-लेंगपुई-चटलांग-सकाव्रहमुइटुइतलांग-मुथी- बेराटलांग-तुइरियल एयरफील्ड- हमुइफांग का विकास	66.37	53.09
5.	तेलंगाना	इको परिपथ 2015-16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62	91.25
6.	उत्तराखंड	इको परिपथ 2015-16	टिहरी झील और निकटवर्ती क्षेत्रों का नए गंतव्य के रूप में विकास के लिए इको-पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास - जिला टिहरी	69.17	69.17

*केन्द्रीय क्षेत्र योजना के लिए टीएसए मॉडल-I के माध्यम से सीएनए को प्राधिकृत राशि शामिल है।

****